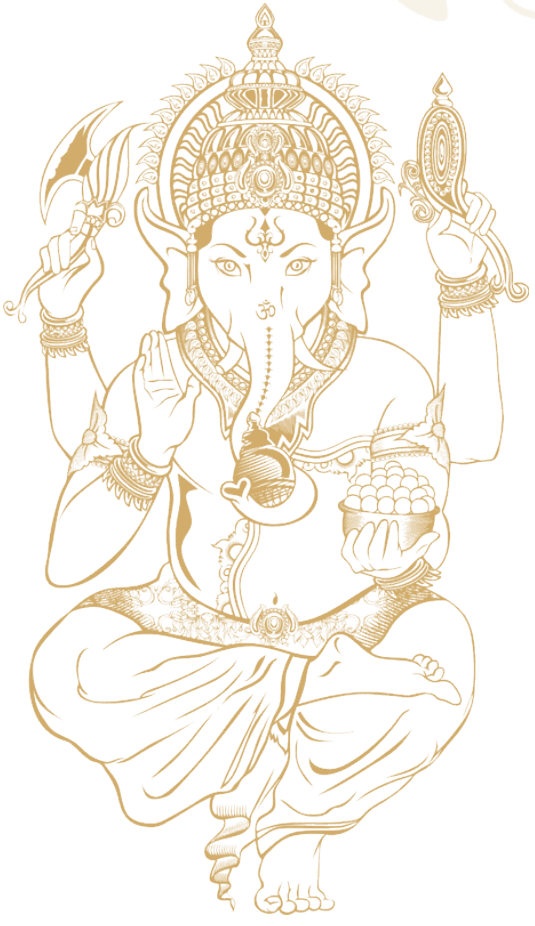

Mr.Swastik gupta

ms.Snehal garg

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120495104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/08/1994	जन्म तिथि	04/04/1997
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:25:00	जन्म समय	17:25:00 घंटे
घटी 23:46:56	जन्म समय(घटी)	28:17:54 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Jaipur
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:13	सूर्योदय	06:14:43
18:46:16	सूर्यास्त	18:45:07
23:47:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:06

विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 8मा 28दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 13वर्ष 6मा 1दि
राहु 27/05/2015 26/05/2033	14:19:57 11:05:04 01:40:53 13:43:04	धनु सिंह वृष मिथु	लग्न सूर्य चंद्र मंगल व	कन्या मीन कुंभ सिंह	03:52:40 20:56:04 09:59:47 26:24:24	गुरु 06/10/2010 06/10/2026
राहु 06/02/2018	25:07:22	सिंह	बुध	मेष	09:52:42	गुरु 23/11/2012
गुरु 01/07/2020	15:29:00	तुला	गुरु	मक	21:48:25	शनि 06/06/2015
शनि 08/05/2023	27:02:13	कन्या	शुक्र	मीन	21:25:33	बुध 11/09/2017
बुध 25/11/2025	15:33:02	कुंभ व	शनि	मीन	17:00:11	केतु 18/08/2018
केतु 13/12/2026	23:52:43	तुला	राहु	कन्या	04:53:25	शुक्र 18/04/2021
शुक्र 13/12/2029	23:52:43	मेष	केतु	मीन	04:53:25	सूर्य 04/02/2022
सूर्य 07/11/2030	29:04:47	धनु व	हर्ष	मक	14:14:35	चन्द्र 06/06/2023
चन्द्र 08/05/2032	27:06:42	धनु व	नेप	मक	05:55:57	मंगल 12/05/2024
मंगल 26/05/2033	01:38:11	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:34:59	राहु 06/10/2026

लग्न-चलित

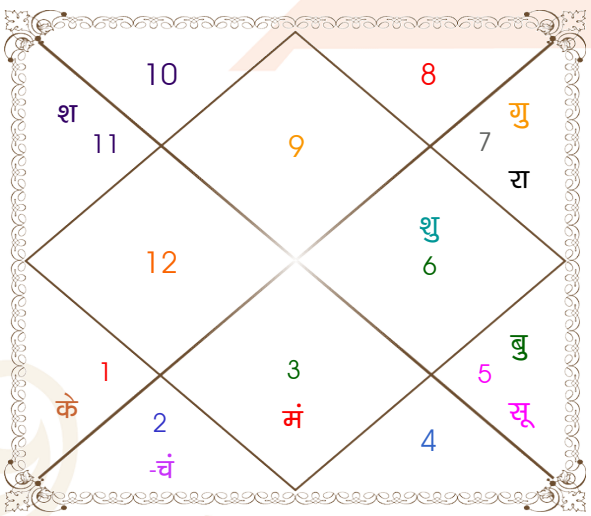

लग्न-चलित

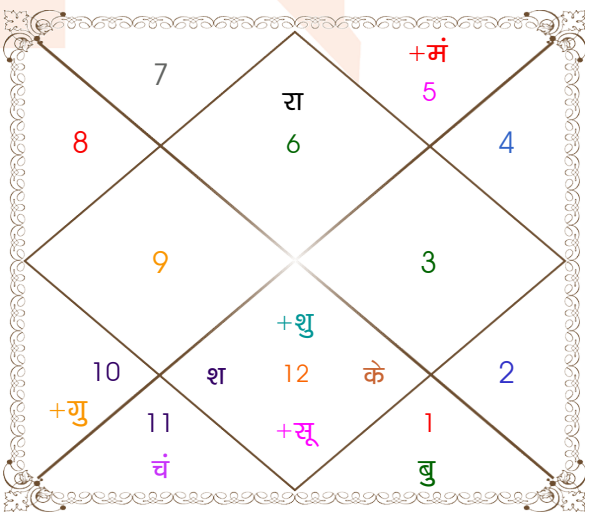

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.50		

डतपैंजपा हनचजं का वर्ग गरूड़ है तथा ms.Snehal garg का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतपैंजपा हनचजं और ms.Snehal garg का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतपैंजपा हनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतपैंजपा हनचजं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ms.Snehal garg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों

में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ms.Snehal garg कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतपैंजपा हनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतपैंजपा हनचजं तथा ms.Snehal garg में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।